



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 493]
No. 493]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 2, 1981/कार्तिक 11, 1903
NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 2, 1981/KARTIKA 11, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिसमें कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आवेश

नई दिल्ली, 2 नवम्बर 1981

का० प्रा० 783 (अ)/18 खण्ड/आई डी आर ए/ 81—भाग सर-
कार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं०
सा० का० 767(अ)/ तारीख 23 अक्टूबर, 1981 द्वारा उद्योग (विकास
और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 या 65) की धारा 18क
की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन जो मैसर्स मोहिनी मिल्स
लिमिटेड, बेलघरिया, पश्चिमी बंगाल नामक संपूर्ण औद्योगिक उपक्रम है
(जिसे इसमें हमने पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) का
प्रबंध ग्रहण उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ही प्रारम्भ
होने वाली बीस दिन की अवधि के लिए किया गया है ;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त औद्योगिक उपक्रम के सम्बन्ध में यह
समाधान हो गया है कि अनुसूचित उद्योग प्रवर्ति सूची टैक्सटाइल उद्योग
में उत्पादन की मात्रा में गिरावट को रोकने की दृष्टि से लोकहित में
ऐसा करना आवश्यक है ;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 18 खण्ड की उपधारा
(1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा
करती है कि इस आदेश के जारी होने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त
सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों,

स्थायी आदेशों या अन्य लिखितों का (उनसे भिन्न जो बैंक और वित्ती
संस्थाओं के प्रत्याभूत वाधित्वों से सम्बन्धित हैं) जिनका उक्त औद्योगिक
उपक्रम एक पक्षकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू हो,
प्रवर्तन 21 नवम्बर, 1981 जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी आती है
की अवधि के लिए लब्धित बना रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उसके
अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं और
वाधित्व उक्त 21 नवम्बर, 1981 जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है,
तक के लिए लब्धित बने रहेंगे ।

[का० सं० 3/5/81-सी०यू०एस०]]

चन्द्र किशोर मोदी, सयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 2nd November, 1981

ORDER

S.O. 783(E)/18FB/IDRA/81—Whereas, by Order of
the Government of India in the Ministry of Industry (Depart-
ment of Industrial Development) No. S.O. 767(E) dated
the 23rd October, 1981, the management of the whole of
the industrial undertaking known as Messrs Mohini Mills
Ltd., Belgharia, West Bengal (hereinafter referred to as the
said industrial undertaking) has been taken over under
clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Indus-
tries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951),
for a period of thirty days commencing on and from the
date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And whereas the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production in the scheduled industry, namely the cotton textiles industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of this Order

(other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended upto and inclusive of 21st November, 1981, and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended upto and inclusive of 21st November, 1981.

[F. No. 3(5)(81-Cus)]

C. K. MODI, Jt. Secy.